श्रेष्ठ सुप्रभात

मनुष्य के रूप में जन्म लेना विशेष बात है। लेकिन मानव के अनुरूप मानवीय व्यवहार और आचरण करना इसे और विशेष बनाता है।

-आचार्य महाश्रमण

NEXT™
NEWS EXCELLENT TODAY

तापमान (डिग्री सेल्सियस)

	अधिकतम	न्यूनतम
श्री डूंगरगढ़	20.0	6.0
बीकानेर	21.0	6.0
जयपुर	20.0	6.0

E- Paper NEXT 0018

newsexcellenttoday.com | 29 दिसंबर 2024, रविवार | मार्गशीर्ष, कृष्ण पक्ष चतुर्दशी - 2081

विधायक सारस्वत ने ऊर्जा मंत्री को दिया जीएसएस उद्घाटन का निमंत्रण

NEXT श्रीडूंगरगढ़ विधायक ताराचंद सारस्वत ने शनिवार को जयपुर में ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने श्रीडूंगरगढ़ के जाखासर गांव में नवनिर्मित 132 केवी जीएसएस (गिरिड सब-स्टेशन) के बारे में चर्चा की। विधायक ने बताया कि इस जीएसएस के निर्माण से उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी।

विधायक ने ऊर्जा मंत्री को इस जीएसएस के उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया और साथ ही पूनरासर में निर्माणाधीन जीएसएस का कार्य शीघ्र पूरा करवाने का अनुरोध किया। उन्होंने विधानसभा क्षेत्र में चल रहे अन्य विकास कार्यों के बारे में जानकारी दी और आगामी बजट में कुछ अन्य स्थानों पर नए जीएसएस स्थापित करने की मांग रखी।

पूर्व पीएम की अंतिम यात्रा में क्षेत्र के युवा नेता सम्मिलित हुए, दी श्रद्धांजलि

NEXT पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर क्षेत्रीय युवा कांग्रेस नेता केसराराम गोदारा ने उनकी अंतिम यात्रा में शामिल होकर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने डॉ. सिंह के देश की अर्थव्यवस्था में दिए गए महत्वपूर्ण योगदान को याद करते हुए उन्हें भावपूर्ण शब्दों में श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर प्रभुराम गोदारा सहित अन्य कांग्रेसी नेता भी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय सेवा योजना का विशेष सप्तदिवसीय शिविर शुरू

एनएसएस युवाओं को समाज सेवा से जोड़ने का सशक्त माध्यम है: महर्षि

NEXT श्रीडूंगरगढ़ महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के सात दिवसीय विशेष शिविर के शुभारंभ पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि साहित्यकार श्याम महर्षि ने एनएसएस को युवाओं को समाज सेवा से जोड़ने का सशक्त माध्यम बताया। उन्होंने युवाओं से समाज में किसी भी कार्य के लिए बड़ों की सलाह लेने और उनका आदर-सम्मान करने पर जोर दिया।

संस्था के उपसचिव रामचंद्र राठी ने एनएसएस जैसे कार्यक्रमों को सच्ची देश सेवा की भावना जागृत करने वाला बताया। विजय महर्षि ने एनएसएस को शिक्षा और सेवा कार्यों को समन्वित करने वाला माध्यम बताते हुए इसकी सराहना की।

शिविर प्रभारी डॉ. राजेश सेवग ने जानकारी दी कि शिविर के पहले दिन स्वयंसेवकों ने महाविद्यालय परिसर में सफाई अभियान चलाया और सड़कों पर संकेत चिन्ह बनाए।

कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. विनोद सुथार ने आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर महावीर धामा, नारायण सारस्वत, सुशील सुथार, मुकेश सैनी, दीनदयाल नाई, और मुकेश जांगिड़ सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

गाँव कोटासर में गौवंश की सेवा का प्रतिदिन लगा रहता है सेवा का तांता

गौसेवी जाजड़ा परिवार ने जन्मदिवस पर गौवंश को खिलाई लापसी

NEXT क्षेत्र की कोटासर गौशाला में गौभक्त मोडाराम जाजड़ा, दुलचासर ने अपने दोहिते अर्नव पंचारिया (पुत्र पूजा पंचारिया, गंगाशहर) का जन्मदिन गौशाला में मनाते हुए गौ सेवा का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया।

जन्मदिवस के अवसर पर जाजड़ा परिवार ने गौशाला पहुंचकर गौ माताओं को एक पेटी गुड़ एवं मीठी लापसी का भंडारा समर्पित किया। इस मौके पर गौशाला के भामाशाह ओमप्रकाश जाजड़ा भी उपस्थित रहे।

गौ सेवा के इस विशेष अवसर पर जाजड़ा परिवार द्वारा गौ सेवा में दिए गए योगदान को गौशाला कमेटी ने सराहा। कमेटी की ओर से परिवार का स्मृति चिन्ह एवं दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया गया।

जाजड़ा परिवार की इस प्रेरणादायक पहल से गोपालक परिवार एवं अन्य भक्तजनों ने भी उत्साहवर्धन किया। सभी ने अर्नव पंचारिया के दीर्घायु और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

परिस्थिति कुछ कह रही है,
कि तुम कुछ नहीं कर पाओगे।
मेहनत कुछ कह रही है,
कि तुम बहुत आगे जाओगे।
इंसान की एक फितरत होती है,
वह सोचता ज्यादा और करता कम है।
हम सब जानते है,
कि जो जैसा सोचता है वह वैसा बन जाता है,
ये जीवन का चक्रव्यूह है कुछ समझ नहीं आता है।
जीवन में कुछ करना है तो बस मेहनत करो,
मेहनत व अनुभव का कोई विकल्प नहीं है।
परिस्थिति प्रत्येक इंसान की अलग-अलग होती है।
उससे निपटने का तरीका भी अलग- अलग होता है।
जीवन में हार जीत मनःस्थिति पैदा करती है,
इंसान अपनी सोच से ही जीतता है।
जीतने का जज्बा दिल और दिमाग पर छा जाये,
तो जीत इंसान के कदम चूमती है।
जीतने की चाह परिस्थिति भी बदल देती है
मेहनत के आगे परिस्थितियाँ घुटने टेक देती है।
जिन्दगी को हमेशा जिन्दादिली से जीओ,
परिस्थितियों का रोना मत रोओ।
यदि परिस्थितियों के वशीभूत हो जाओगे,
तो जीवन में कुछ भी नहीं कर पाओगे।
अब परिस्थितियाँ स्वयं कहेगी कि,
तुम जिन्दगी में बहुत आगे तक जाओगे।।

वसीयतनामा: परिवार की संपत्ति का सही प्रबंधन

आज संपत्तियों के विवाद दिनोंदिन बढ़ते ही जा रहे हैं। कुछ दिनों पूर्व हम सभी ने एक राजपरिवार की संपत्तियों को लेकर हुई चर्चाओं को खूब सुना था। भारतभर में संपत्तियों के अनगिनत मामले सही वसीयत के नहीं होने के कारण कोर्ट कचहरी के दहलीज पर पड़े हुए हैं। ऐसे में वसीयतनामा एकमात्र विकल्प होता है कि आने वाली पीढ़ी संपत्ति को लेकर विवाद न करें। परन्तु जानकारी के अभाव में बहुत से व्यक्ति इसे कर पाने में असमर्थ महसूस करते हैं।

» आज आपको वसीयत/इच्छापत्र/विल के सम्बंध में बताया जा रहा है। किसी व्यक्ति द्वारा अपने जीवनकाल में अपनी निजी संपत्तियों के सम्बंध में अपनी मृत्यु के बाद उनका उत्तराधिकारी किसको बनाना चाहता है या वह संपत्ति किसको देना चाहता है, उसका एक पत्र में लिखित में उल्लेख कर दिया जाता है तो उसे वसीयतनामा माना जाता है। कोई भी वयस्क व्यक्ति अपनी संपत्तियों का वसीयतनामा अपनी मृत्यु से पहले कर सकता है। वसीयतनामा मृत्यु के बाद प्रभावशाली माना जाता है। वसीयत करने वाला व्यक्ति अपने वसीयतनामा को जीवित अवस्था में कभी भी रद्द/कैंसिल/समाप्त/परिवर्तित कर सकता है। क्योंकि वह अपने जीवनकाल में अपनी संपत्तियों का स्वयं मालिक होता है।

» वसीयत एक व्यक्ति अनेक बार कर सकता है। इनमें जो अंतिम वसीयत होगी, वही प्रभावशाली मानी जायेगी। अंतिम वसीयत से पहले वाली सभी वसीयत शून्य मानी जायेगी।

» वसीयतनामा करने वाला व्यक्ति मानसिक रूप से स्वस्थ होना चाहिए। मानसिक अस्वस्थ व्यक्ति के द्वारा की गई वसीयत कानूनन रूप से अप्रभावी मानी जाती है।

वसीयत स्वतन्त्र रूप से और बिना किसी दबाव के होनी चाहिए, तभी उसे सही माना जाता है।

» वसीयतनामा करने वाला व्यक्ति मानसिक रूप से स्वस्थ होना चाहिए। मानसिक अस्वस्थ व्यक्ति के द्वारा की गई वसीयत कानूनन रूप से अप्रभावी मानी जाती है। वसीयत स्वतन्त्र रूप से और बिना किसी दबाव के होनी चाहिए, तभी उसे सही माना जाता है।

» वसीयतनामा में दो गवाहों का होना अत्यंत आवश्यक है और उक्त दोनों दोनों गवाह भी स्वस्थ मानसिकता वाले होने चाहिए। इन दोनों गवाहों की आवश्यकता तब होती है जब विवाद की स्थिति बनती है। वसीयतनामा के गवाह के बयान महत्त्वपूर्ण होते है क्योंकि वसीयत करने वाले व्यक्ति का देहांत हो जाता है तो इन्हीं गवाहों के आधार पर वसीयतनामा साबित या नासाबित होता है। बिना गवाह वसीयतनामा कानूनन अमान्य होता है।

» वसीयतनामा जिसके पक्ष में किया जाता है उस व्यक्ति की कोई सक्रियता वसीयतनामा में नहीं होनी चाहिए और जिस व्यक्ति के पक्ष में वसीयतनामा किया जा रहा है उस व्यक्ति के वसीयतनामा में हस्ताक्षर, उपस्थिति आदि नहीं होनी चाहिए, वरना वह वसीयतनामा संदिग्ध माना जा सकता है।

» वसीयतनामा एक व्यक्ति की अपनी संपत्तियों के सम्बंध में उन संपत्तियों का वसीयतकर्ता के मरने के बाद मालिक कौन होगा, इस सम्बंध में वसीयतकर्ता अपनी इच्छा व्यक्त करता है। इसलिए वसीयतनामा को हिंदी में इच्छापत्र भी कहा जाता है। वसीयतनामा एकपक्षीय होता है। वसीयतनामा में संपत्ति के मूल्य के सम्बंध में कोई लेन देन नहीं होना चाहिए। वसीयत करने वाला स्वयं अपनी हस्तलिपि में वसीयत लिख सकता है या किसी अन्य से लिखवा सकता है या टाइप भी करवा सकता है। वसियत किसी अन्य से लिखवाई जा रही है तो लिखने वाले व्यक्ति के हस्ताक्षर भी वसीयतनामा पर होने चाहिए।

» वसीयतनामा कानूनी रजिस्टर्ड होना जरूरी नहीं है। वसीयतनामा को वेटेज देना हो तो उसे रजिस्ट्रार कार्यालय में रजिस्टर भी करवाया जा सकता है। कानूनी रूप से सही और वैध वसीयतनामा होने पर वसीयतनामा के अनुसार संपत्तियों का वितरण वसीयतकर्ता की मृत्यु के पश्चात होगा, ना कि वारिसों के अनुसार। वसीयतकर्ता अपनी वसीयत में अपने वारिस या वारिसानों को संपत्ति के हक व हिस्सा वंचित कर सकता है।

नौ साल बाद फरार कैदी गिरफ्तार, हत्या और लूट के आरोपी ने साधु बनकर काटी फरारी

NEXT आरोपी राजेश कुमार जाट, हरियाणा ने 2005 में मण्डावर क्षेत्र में एक युवक की हत्या कर उसकी कार लूट ली थी। इसलिए उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी और वह बीकानेर सेंट्रल जेल में सजा काट रहा था।

2015 में उसे पैरोल पर रिहा किया गया था, वहां से वह फरार हो गया। नौ साल तक फरारी काटने के दौरान राजेश कुमार हरियाणा के भिवानी जिले के सतनाली क्षेत्र में प्रभातनाथ आश्रम में साधु "सज्जननाथ" बनकर छिपा हुआ था। पुलिस को उसके बारे में इनपुट मिलने के बाद बीकानेर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

NEXT के लोगो और सोशल साइट के सिंबल पर क्लिक करते ही साइट ओपन होती है। तो जुड़े रहिए NEXT के साथ